

Roll No. :

SANS3112LT
B.A., Semester-Third,
Examination-2023
SANSKRIT LITERATURE
PAPER - Second

(संस्कृत गद्यकाव्य एवं भारतीय संस्कृति)

[Time : 3 Hrs.]

[Maximum Marks : 55]

संचना: परीक्षार्थी से अपेक्षा है कि प्रश्नपत्र के प्रत्येक खण्ड में दिए गए निर्देशों का पालन करें। यदि प्रश्नों के उत्तर के लिए कोई विशिष्ट भाषा निर्देश न दिया गया हो तो परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर संस्कृति अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में दे सकते हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो (02) गद्यांशों की सन्दर्भ सहित सुस्पष्ट व्याख्या कीजिए। प्रत्येक 10 अंक

(क) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधी तिष्ठति स्म। कदा स समाधि मङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी ग्रामीण-ग्रामाः

महागन्ध मध्ये मध्ये त पृथग्वानि प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कणिल इति, अणनं लोमश इति, इतर जैगीषन् इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वरामिन स्म। स एवायमभूत् शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिण्यदभ्यामर्शत्।

(ख) सन्यासिनः सन्यासिनः बहुक्तम्, विगम, न वयं दीवारिका ब्रह्मणोऽप्याज्ञा प्रतीक्षामहे । किन्तु यो वैदिकभर्मांश्चाव्रती, यश्च सन्यासिनां ब्रह्मचारिणा तपस्विनाञ्च संन्यासस्य ब्रह्मचर्यस्य तपस्यान्तरायाणां हन्ता, येन च नीरप्रसविनीयमुच्यते कोऽङ्गणदेशभूमिः, तस्यैव महाराज-शिववोरस्याऽऽज्ञां वयं शिगसावलमः।

(ग) एवमनुश्रुते-पुनः किल भगवान्स्वलांक्रमिष्ठन्यग्मेष्टी विक्रासिनि पद्मविष्टरे सम्पुर्वविष्टः मुनासीरप्रमुखीर्गावणैःपरिवृतोऽद्भोद्याःकथाःकुर्वन्त्यारन निग्वला विद्यागोष्टीभाविमन्कदाचिदामाञ्चके। तथासीत् च न त्रिभुवनप्रतीक्ष्यं मनुदक्षवाक्षुषश्रभृतयः प्रजापतयः सर्वे च सप्तर्षिपुनःसग महर्षयः संप्रविष्टे। केचिद्वचः स्तुतिचतुराः समुदचारयन्।

(घ) अथ स युवा पुरोगयिनां यथादर्शनं प्रतिनिवृत्त्याति विस्मयमयया कथयता पदातीनां

मकाशादुपलभ्य दिव्यकृति तत्कन्यायुगलमुपजतकुन्दलः
प्रतूर्णतूरगो दिदृक्षुस्त तलाभयडोपददेशमाजगाम। दुरादेव
च तुरगादवततार। निवारित पंग्वनय्य तेन द्वितीयन
साधुना सह चरणाभ्यामेव सविनयमुपमसर्वः

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो (02) प्रश्नों के उत्तर दें।
प्रत्येक 5 अंक

- (क) श्री अम्बिकादेन व्यास का परिचय लिखें।
(ख) 'शिवराजविजयम्' के प्रथम निश्वास का सारांश लिखें।
(ग) 'हर्षचरितम्' की समीक्षा कीजिए।
(घ) 'बाणोच्छिष्ट जगत सर्वम्' इस कथन का मूल्यकन कीजिए।

खण्ड - ब

3. निम्नलिखित में से किसी एक (01) प्रश्न का सविस्तार उत्तर दें।
प्रत्येक 15 अंक

- (क) पंच महायज्ञों का परिचय दें हुए उनका महत्व प्रतिपादित कीजिए।
(ख) षोडश (सोलह) संस्कारों की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो (02) पर टिप्पणी लिखें।

प्रत्येक 5 अंक

- (क) ब्रह्मचर्य आश्रम
(ख) पुरुषार्थ चतुष्टय
(ग) वर्ण व्यवस्था
(घ) भारतीय संस्कृति-प्रमुख विशेषता

<https://www.ssjuonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से